Saraswati Mata Aarti

जय सरस्वती माता, मैया जय सरस्वती माता।
सदगुण वैभव शालिनी, त्रिभुवन विख्याता॥ 1 |
॥ जय सरस्वती माता...॥

चन्द्रवदनि पद्मासनि, द्युति मंगलकारी।
सोहे शुभ हंस सवारी, अतुल तेजधारी॥ 2 |
॥ जय सरस्वती माता...॥

बाएं कर में वीणा, दाएं कर माला।
शीश मुकुट मणि सोहे, गल मोतियिन माला॥ 3 |
॥ जय सरस्वती माता...॥

देवी शरण जो आए, उनका उद्धार किया।
पैठी मंथरा दासी, रावण संहार किया॥ 4 |
॥ जय सरस्वती माता...॥

विद्या ज्ञान प्रदायिनि, ज्ञान प्रकाश भरो।
मोह अज्ञान और तिमिर का, जग से नाश करो॥ 5 |
॥ जय सरस्वती माता...॥

धूप दीप फल मेवा, माँ स्वीकार करो।
ज्ञानचक्षु दे माता, जग निस्तार करो॥ 6 |
॥ जय सरस्वती माता...॥

माँ सरस्वती की आरती, जो कोई जन गावे।
हतिकारी सुखकारी, ज्ञान भक्ति पावे॥ 7 |
॥ जय सरस्वती माता...॥

जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता।
सदगुण वैभव शालिनी, त्रिभुवन विख्याता॥ 8 |